वर्ष : 33 ▸ अंक : 93 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, बुधवार, 19 जून 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे
दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सनकी आशिक ने सरेआम की एक्स गर्लफ्रेंड की हत्या, तमाशबीन लोग बनाते रहे वीडियो

बीच सड़क पर मर्डर

30 सेकंड में रिंच से प्रेमिका पर किए 15 वार

अमित बृज | पालघर

कुछ घटनाएं सुन्न कर देने वाली होती हैं। हमें समझ नहीं आता कि हम इन घटनाओं पर अपनी बात कैसे कहें। खासकर जब ये घटनाएं सबके सामने खुलेआम घटती हैं तो दिमाग फट जाता है। मंगलवार सुबह महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसई में हुई एक घटना ने हिलाकर रख दिया। ये घटना आपको किसी बुरे सपने या किसी हॉरर फिल्म जैसी लग सकती है, लेकिन हकीकत में ये घटना घटी है, जिसमें एक सनकी आशिक ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड की बेरहमी से हत्या कर दी। हैरानी की बात तो ये थी कि उसने सरेआम हत्या की इस वारदात को अंजाम दिया। लेकिन किसी ने भी उस लड़की को बचाने की कोशिश नहीं की। सनकी प्रेमी उस पर रिंच से वार करता रहा। लोग तमाशबीन बने रहे। इस बीच दो युवकों ने थोड़ी हिम्मत जरूर दिखाई, लेकिन आरोपी के सिर पर इस कदर खून सवार था कि वो उन्हें भी रिंच दिखाकर डराने लगा। इसलिए दोनों युवक भी पीछे हट गए। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरती उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी और आरोपी रोहित हरियाणा का निवासी बताया जा रहा है।

सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई हत्या की पूरी वारदात

इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। आरती पर रोहित बड़ी लोहे की रिंच से पीछे से हमला करता है। जिससे आरती सड़क पर गिर जाती है। इसके बाद रोहित उस पर रिंच से तब तक हमला करता है, जब तक वह दम नहीं तोड़ देती।

प्रेम प्रसंग से जुड़ा है मामला

वालिव पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर जयराज नरवरे ने बताया कि यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित और आरती पिछले 3 साल से रिलेशनशिप में थे। रोहित को अचानक उसपर संदेह हुआ कि वह उसे धोखा दे रही है और किसी दूसरे लड़के के साथ रिलेशनशिप में है। इसको लेकर दोनों में कई बार झगड़ा भी हुआ और अंत में आरती ने ब्रेकअप कर लिया। कथित तौर पर रोहित इसी को लेकर गुस्से में था और आरती को मार डाला। वालिव पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। फिलहाल घटना की आगे की जांच चल रही है।

ठाकरे गुट की नेता ने कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

वहीं इस घटना पर ठाकरे गुट की नेता सुषमा अंधारे ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि एक युवक लड़की की इस तरह दिनदहाड़े हत्या कर देता है और लोग देखते रहते हैं। आसपास से 10-15 लोग गुजर जाते हैं। ये पूरी तस्वीर चौंकाने वाली है। कोई भी आदमी लड़की की मदद के लिए नहीं आता। जब मुंबई के आसपास ऐसी घटनाएं होती हैं तो एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़ा होता है। सुषमा अंधारे ने कहा कि महाराष्ट्र की राजधानी के पास होने वाली इतनी गंभीर और भयानक घटना महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली है।

बच सकती थी जिंदगी अगर

तमाशबीन नहीं बने रहते तो

वारदात के समय वहां से दर्जनों लोग गुजरे, लेकिन सब तमाशबीन बने रहे। हालांकि एक प्रत्यक्षदर्शी ने रोहित को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसके सिर पर खून सवार था। उसने उस शख्स पर भी हमला करने की कोशिश की, जिससे वह डरकर चले गया। हालांकि तब तक घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन कोई भी 20 वर्षीय आरती यादव को बचाने के लिए आगे नहीं आया। पुलिस ने कहा कि यदि प्रत्यक्षदर्शी रोहित को रोकने का प्रयास करते तो आरती की जान बच सकती थी।

पुलिस ने कार्रवाई की होती तो

मृतक आरती यादव की बहन सानिया यादव ने आरोप लगाया कि रोहित पिछले तीन-चार दिनों से उसकी बहन को परेशान कर रहा था। शनिवार को उसने आरती की पिटाई की थी। आरती का मोबाइल तोड़ दिया था। सानिया ने बताया कि परिवार ने पुलिस में शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने रोहित के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उसे चेतावनी देकर छोड़ दिया था। सानिया ने कहा कि वह अपनी बहन आरती यादव को इंसाफ दिलाकर रहेगी।

दायित्वनामा

लोकतंत्र में राजनेता की राजा वाली अकड़!

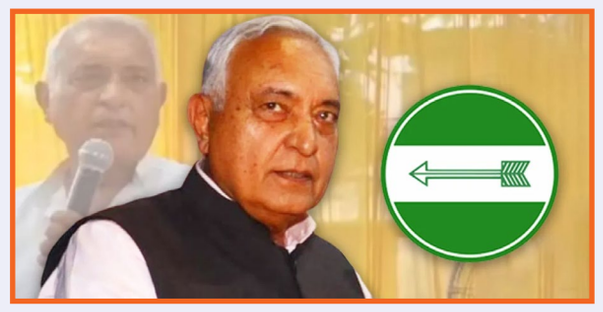

यह सच है कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का पूरा हक है। भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का दावा करता है, और यहां बोलने की आजादी भी है। लोग पीएम से लेकर चपरासी तक की आलोचना करने को स्वतंत्र हैं। कई बार यह आलोचना बहुत कठोर या गाली-गलौज तक पहुंच जाती है। पर इसके बावजूद लोकतंत्र की खूबसूरती बनी हुई है। पर क्या बोलने की आजादी के साथ हमें कुछ कर्तव्य नहीं दिए गए। समाज में जो लोग भी गाली-गलौज या किसी भी व्यक्ति के खिलाफ किसी भी तरह का अपशब्द बोलते हैं, वे कमजोर आत्मा के गलत लोग हैं। आलोचना सकारात्मक चीज है, पर इंसान की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि वह भाषा का अविष्कारक है। इंसान ने अपनी बात बेहतर तरीके से दूसरे तक पहुंचाने के लिए भाषा का उपयोग किया। हमारे देश में अक्सर कहा जाता है कि संसदीय भाषा बोलिए। कहने का अर्थ यह है कि फिर चाहे अपके मन के खिलाफ चाहे जितनी बात हुई हो आप अपनी भाषा की मर्यादा बनाए रखेंगे। यह जिम्मेदारी पूरे देश पर है कि भारत को प्रेम से भरा मृदुभाषी देश माना जाए। हमारी संसद की परंपरा रही है, अपने विरोधियों की चुटकी लेते हुए उनकी आलोचना करने की।

अरुण लाल

पर यदि 71 वर्षीय सांसद खुले आम कहता है कि वह दो सुमुदायों के लोगों का काम नहीं करेगा, तो यह लोकतंत्र का अपमान है। यह उस शपथ का अपमान है, जो उसने सांसद होने पर ली थी। यह अपमान है करोड़ों भारतियों के लोकतंत्र में विश्वास का। यह अपमान है गांधी, नेहरू, भगतसिंह, सुभास बोस जैसे लाखों स्वतंत्रता सेनानियों का जिन्होंने लोकतंत्र के लिए लाठियां खाई, जान तक दे दी।

सांसद कोई सामान्य सांसद नहीं हैं, ये बिहार विधानपरिषद के अध्यक्ष रह चुके हैं। सबसे बड़ी बात यह भी कि वे चुनाव हारे नहीं हैं, जीत में कम मतों से जीतने ने नाराज हैं। बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (JDU) के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा कि अब मैं यादव और मुसलमानों के लिए कोई काम नहीं करूंगा। क्योंकि उन्होंने मुझे वोट नहीं दिया है। यादव और मुसलमान समाज के लोग कोई काम करवाने आते हैं तो जरूर आएं, लेकिन चाय, नाश्ता कर वापस चले जाएं।

माननीय सांसद जी यह भूल गए हैं कि वे किसी राजतंत्र में नहीं जी रहे हैं। वे लोकतंत्र में हैं, और जनता ने उन्हें सेवा का मौका दिया है। राज का नहीं, जो वे मनमानी तरीके से काम करेंगे। वे भूल गए हैं कि वे जनता के नौकर हैं, न कि मालिक। उन्हें इस बात का गुमान है कि सांसद होने से जो फंड मिलेगा वह वे मनमर्जी खर्च करेंगे। वे भूल गए हैं कि यह उन्हें जनता के टेक्स के पैसे से मिला है। उन्होंने जो बयानबाजी की है, वह लोकतंत्र के खिलाफ है।

खैर, यह ठीक है कि अब उनके ऊपर दबाव बनेगा, और वे माफी मांगते हुए अपने बयान को गलत तरह से पेश करने की बात करेंगे। वास्तविकता यह है कि अब यह समय आ गया है कि भारत में लोकतंत्र के पर व्यापक चर्चा हो, सभी को पता चले कि राजनेता राज करने नहीं बल्कि सेवा करने आते हैं। हम सभी का दायित्व है कि हम लोकतंत्र के मूल्यों को ठीक उसी प्रकार से समझें जैसे कि वे हैं। देश का हर नागरिक यह समझे कि राजनीति सेवा है, और राजनेता सेवक, मालिक जनता है।

न्यूज़ ब्रीफ

महादेव एप सट्टेबाजी मामला, मुंबई पुलिस का एक्शन

मुंबई। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में मुंबई पुलिस ने बड़ा एक्शन लेते हुए एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। मुंबई पुलस ने कहा कि जांच में सट्टेबाजी, मैच फिक्सिंग और हवाला ऑपरेशन के आरोप शामिल हैं, मामले के संबंध में कानूनी कार्यवाही चल रही है। बता दें कि महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में 15,000 करोड़ रुपये की गड़बड़ी का आरोप है।

भयानक एक्सीडेंट, 5 महिलाओं की मौके पर ही मौत, 3 गंभीर रूप से घायल

मुंबई/सोलापुर। महाराष्ट्र के पंढरपुर-कराड रोड पर मंगलवार को भीषण हादसा हुआ है। जहां तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी महिलाओं को कुचल दिया। इस हादसे में पांच महिलाओं की मौत हो गई है, जबकि तीन घायल हो गई है। घटनास्थल पर पुलिस की टीम और एम्बुलेंस पहुंच गई है। जानकारी के मुताबिक यह भयानक हादसा दोपहर 4 बजे के करीब पंढरपुर-कराड रोड पर कटफल में हुआ है। जानकारी के ड्राइवर के ट्रक से नियंत्रण खोने की वजह से यह हादसा हुआ है। इस हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और एम्बुलेंस घटनास्थल पहुंची। घायलों को इलाके के लिए पंढरपुर के अस्पताल में भर्ती किया गया है। जबकि, मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मौसम

	तापमान	नमी
मुंबई	29.0-23.0	80%

सूर्यास्त बुधवार 07:17 बजे
सूर्योदय गुरुवार 06:01 बजे

IAS अधिकारी तुकाराम मुंढे का फिर तबादला

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे का एक बार फिर तबादला कर दिया है। मुंढे अपने सख्त अनुशासन, प्रशासन से विवादों और लगातार अपने तबादलों के चलते सुर्खियों में रहते हैं। वह अब तक पशुपालन एवं डेयरी विकास सचिव पद पर काम कर रहे थे, लेकिन अब उनका विकास आयुक्त (असंगठित कामगार) के पद पर ट्रांसफर कर दिया गया। राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव नितीन गद्रे द्वारा जारी ट्रांसफर आर्डर के मुताबिक तुकाराम मुंढे समेत सात आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। जिसमें रंजीत कुमार, नीमा अरोड़ा, वी राधा, अमन मित्तल, अमगोथु श्रीरंगा नायक, रोहन घुगे शामिल है।

19 साल में हुई 22 बार हुआ ट्रांसफर

बता दें कि तुकाराम मुंढे का 19 साल में 22 बार ट्रांसफर हुआ है। उन्हें पिछले साल जुलाई में पशुपालन और डेयरी विकास सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। लेकिन अब एक साल के भीतर ही उनका फिर से तबादला किया गया। उन्हें असंगठित कामगार विभाग (मुंबई) के विकास आयुक्त पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जबकि मुंढे का वर्तमान पद राजेश कुमार को सौंपा गया है।

इनका हुआ ट्रांसफर

- तुकाराम मुंडे- विकास आयुक्त (असंगठित कामगार), मुंबई
- रंजीत कुमार – अतिरिक्त महानिदेशक, यशदा, पुणे
- नीमा अरोड़ा – संयुक्त आयुक्त वस्तु एवं सेवा कर, मुंबई
- वी राधा – प्रमुख सचिव (कृषि), कृषि विभाग और पदुम, मंत्रालय, मुंबई
- अमन मित्तल – सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन-मित्र, मुंबई
- अमगोथु श्रीरंगा नायक – आयुक्त (परिवार कल्याण) और निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मुंबई
- रोहन घुगे – मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद (ठाणे)

2005 बैच के आईएएस अधिकारी हैं तुकाराम मुंढे

तुकाराम मुंढे 2005 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने अपने प्रशासनिक करियर की शुरुआत अगस्त 2005 में सोलापुर के डिप्टी कलेक्टर के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने विभिन्न जिलों में कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त तथा सचिव के रूप में भी काम किया। माना जाता है कि सत्ताधारी और विपक्षी नेताओं से विवादों के चलते अनुशासनप्रिय मुंढे का तबादला होता रहा है।

विधान परिषद की 11 सीटों के लिए चुनाव की घोषणा

12 जुलाई को होगा मतदान

दीपक पवार | मुंबई

लोकसभा के बाद चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के विधानपरिषद की 11 सीटों पर चुनाव का ऐलान कर दिया है। विधानपरिषद के 11 सदस्य 27 जुलाई को सेवानिवृत्त हो रहे है। इसे देखते हुए 12 जुलाई को इन सीटों पर चुनाव कराए जाएंगे।

25 जून को जारी की जाएगी अधिसूचना

चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के मुताबिक, 12 जून का चुनाव होगा, जिसकी मतगणना उसी दिन होगी। इसके लिए आयोग 25 जून को अधिसूचना जारी की जाएगी। चुनाव के लिए उम्मीदवार 2 जुलाई तक नामांकन दाखिल कर सकते है। आवेदनों की जांच 3 जुलाई को की जाएगी। वहीं 5 जुलाई तक उम्मीदवार अपना फॉर्म वापस ले सकते है। 12 जुलाई को वोटिंग सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। वहीं उसी दिन मतगणना कर नतीजे घोषित किए जाएंगे।

ये विधायक होंगे सेवानिवृत्त

जिन विधायकों का कार्यकाल 27 जुलाई को खत्म हो रहा है, उनमें विजय गिरकर, निलय पाटिल, रमेश पाटिल, राम राव पाटिल (बीजेपी) महादेव जानकर (राष्ट्रीय समाज पक्ष), अनिल परब (शिवसेना ठाकरे गुट), मनीषा कायंदे (शिवसेना शिंदे गुट), डॉ. वजाहत मिर्झा और डॉ. प्रज्ञा सातव (कांग्रेस), बाबाजानी दुरानी (राष्ट्रवादी), जयंत पाटिल (शेकाप) का नाम शामिल है।

अफवाहों को विराम

बीएमएस, बीसीए, बीबीए और बीएमएम के लिए कोई अतिरिक्त प्रवेश परीक्षा नहीं

मुंबई। सोशल मीडिया के जरिए विद्यार्थियों के बीच चल रही अफवाहों को विराम देते हुए महाराष्ट्र सीईटी सेल ने स्पष्ट किया है कि वहबीसीए, बीबीए, बीएमएस, बीएमएम पाठ्यक्रमों के लिए कई अतिरिक्त प्रवेश परीक्षा नहीं लेगी। दरअसल सोशल मीडिया के जरिए

अफवाह चल रही है कि सीईटी सेल 20 और 21 जून को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अतिरिक्त परीक्षा लेने जा रही है। सीईटी सेल ने कहा है कि यह सरासर अफवाह है और विद्यार्थी और अभिभावक इस पर भरोसा न करें। सीईटी सेल ने यह भी आग्रह किया है कि सोशल मीडिया के बजाय छात्र और अभिभावक सीईटी सेल की अधिकृत वेबसाइट से ही सूचना हासिल करें। दरअसल सबसे ज्यादा विद्यार्थी बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (बीएमएस) पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए परेशान है क्योंकि इस साल इसे व्यावसायिक कोर्स घोषित कर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के हवाले कर दिया गया जिसके बाद सीईटी सेल ने दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा ली लेकिन बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने जानकारी न होने के चलते प्रवेश परीक्षा ही नहीं दी।

PM मोदी ने किसान सम्मान की 17वीं किस्त जारी की

9.26 करोड़ किसानों के खाते में ट्रांसफर किए 20 हजार करोड़

मुनीब चौरसिया | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 जून को PM किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी कर दी है। इसमें 9.26 करोड़ किसानों के खाते में 2-2 हजार रुपए की किस्त भेजी गई है। आज कुल 20 हजार करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई। PM मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में किसानों के खाते में ये राशि भेजी। इससे पहले 28 फरवरी को योजना की 16वीं किस्त जारी हुई थी। तब 21 हजार करोड़ से ज्यादा रकम ट्रांसफर की गई थी। इस योजना के

तहत सरकार हर साल किसानों के अकाउंट में 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तों में 6000 रुपए ट्रांसफर करती है।

उज्जवल निकम फिर बने विशेष लोक अभियोजक

नितिन तोरस्कर | मुंबई

उत्तर-मध्य मुंबई से लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार रहे उज्ज्वल निकम को राज्य सरकार ने मंगलवार को फिर से विशेष लोक अभियोजक पद पर नियुक्त किया है। उज्ज्वल निकम ने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए इस पद से इस्तीफा दे दिया था। महाराष्ट्र के विशेष लोक अभियोजक उज्जव निकम ने मुंबई बम विस्फोट सहित कई संवेदनशील मामलों में सरकारी वकील के रूप में वकालत की थी। उन्हें भाजपा ने उत्तर-मध्य मुंबई लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था, जिसके बाद निकम ने इस पद से इस्तीफा दे दिया था। इस चुनाव में उज्ज्वल निकम कांग्रेस उम्मीदवार वर्षा गायकवाड़ से पराजित हो गए थे। इसी वजह से आज निकम को राज्य सरकार ने फिर से विशेष लोक अभियोजक पद पर बहाल कर दिया। जब उन्होंने इस पद से इस्तीफा दिया था, तब उज्जवल निकम के पास लगभग 25 मामले थे। अब उज्ज्वल निकम इन सभी मामलों की वकालत करेंगे।